इफको सहकारिता बंधु पुरस्कार 2013–14
श्री केवल कृष्ण शर्मा–जीवन परिचय

श्री केवल कृष्ण शर्मा पंजाब राज्य के एक प्रख्यात सहकारी बंधु हैं। उन्हें वर्ष 2013–14 का इफको सहकारिता बंधु पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। वे नई सोच वाले समर्पित सहकारी बंधु हैं।

श्री शर्मा ने कला एवं शिक्षा में स्नातक के साथ–साथ सहकारिता में उच्चतर डिप्लोमा की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने करनाल जिले के तरोरी में फार्म हाई स्कूल में शिक्षक के रूप में अपने कैरियर की शुरूआत की। सहकारी समितियों से उनका जुड़ाव तब हुआ जब वे पंजाब सरकार के सहकारिता विभाग में सहकारी समितियों के निरीक्षक नियुक्त हुए। बाद में उन्होंने पंजाब राज्य के सहकारिता विभाग में सहायक रजिस्ट्रार, उप रजिस्ट्रार तथा संयुक्त रजिस्ट्रार जैसे विभिन्न पदों पर कार्य किया। सहायक रजिस्ट्रार तथा उप रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने जिला कोआपरेटिव बैंकों, कोआपरेटिव शूगर मिल तथा डेयरी कोआपरेटिव के निदेशक मंडल में सरकारी निदेशक की हैसियत से कार्य किया। एक प्रशासक के रूप में उन्होंने अनेक सहकारी समितियों का पुनरूद्धार किया। उन्होंने ''दी सिटीजन अर्बन कोआपरेटिव बैंक'' नाम से जालन्धर में एक अर्बन कोआपरेटिव बैंक स्थापित किया जो पंजाब के लिए नयी बात थी। श्री शर्मा के प्रयासों से इस बैंक ने असाधारण तरक्की करते हुए अत्यंत सुदृढ़ वित्तीय स्थिति के साथ उत्तर क्षेत्र में सबसे बड़े अर्बन कोआपरेटिव बैंक के रूप में नाम कमाया। यह बैंक अपनी शुरूआत से ही लाभ कमा रहा है तथा अपने सदस्यों को लाभांश का भुगतान कर रहा है। इस समय इस बैंक की 15 शाखाएं हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि इस बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के सभी मानकों का अनुपालन किया है, इसके कार्यचालन क्षेत्र को सम्पूर्ण पंजाब तक बढ़ा दिया गया है।

इन उपलब्धियों के अतिरिक्त श्री शर्मा ने सहकारी संस्थाओं में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वे दी सिटीजन अर्बन कोआपरेटिव बैंक के अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक तथा पंजाब राज्य कोआपरेटिव बैंक, चंडीगढ़ के निदेशक रहे।

इस समय श्री शर्मा दी सिटीजन अर्बन कोआपरेटिव बैंक, जालन्धर के अध्यक्ष हैं। वे एक जाने–माने चेरिटेबल हॉस्पीटल के भी अध्यक्ष हैं। वे पंजाब स्टेट अर्बन कोआपरेटिव बैंक तथा क्रेडिट्स सोसाइटीज फैडरेशन लिमिटेड, जालन्धर के मुख्य कार्यकारी भी हैं।

इफको सहकारिता रत्न तथा इफको सहकारिता बन्धु

सहकारिता पुरस्कार 2013 - 14

20 नवम्बर, 2014, समय : 3.00 बजे

IFFCO

पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड
INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LIMITED

इफको सहकरिता रत्न तथा सहकारिता बन्धु पुरस्कार

इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (इफको) ने सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के अपने विनम्र योगदानस्वरूप सहकारिता में वर्ष 1982–83 में ''सहकरिता रत्न'' तथा वर्ष 1993–94 में ''सहकारिता बन्धु'' नामक दो प्रतिष्ठित पुरस्कारों की स्थापना की थी। सहकारिता आंदोलन के पुरोधा पंडित जवाहरलाल नेहरू के आदर्शों के सम्मान में ये पुरस्कार प्रख्यात सहकारी कार्यकर्त्ताओं को सहकारी विचारधारा को प्रसारित करने और सहकारिता आंदोलन को सुदृढ़ करने की दिशा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किए जाते हैं। इन पुरस्कारों में प्रत्येक को रु. 5,00,000/– की राशि और एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। सामान्यतः ये पुरस्कार प्रतिवर्ष 14 से 20 नवम्बर के दौरान देश में मनाए जाने वाले सहकारिता सप्ताह में ''जवाहरलाल नेहरू स्मारक इफको व्याख्यान'' के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

राज्य सहकारी संघों, भारतीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) और इफको निदेशक मंडल के सदस्यों से प्राप्त सिफारिशों के आधार पर प्राप्त नामांकनों की संवीक्षा के लिए निदेशक मंडल के एक सब–ग्रुप का गठन किया जाता है। सब–ग्रुप विचार–विमर्श के बाद निदेशक मंडल को पुरस्कार प्राप्तकर्त्ताओं के नाम की सिफारिश करता है। निदेशक मंडल तब पुरस्कार प्राप्तकर्त्ताओं के नामों का चयन करता है। अब तक 30 प्रतिष्ठित सहकारी कार्यकर्त्ताओं को इफको ''सहकारिता रत्न'' तथा 21 सहकारी कार्यकर्त्ताओं को इफको ''सहकारिता बंधु'' पुरस्कार प्रदान किये जा चुके हैं।

वर्ष 2013–14 के लिए इफको का ''सहकारिता रत्न'' पुरस्कार छत्तीसगढ राज्य के श्री रवीन्द्र प्रताप सिंह को प्रदान किया जा रहा है।

वर्ष 2013–14 के लिए इफको ''सहकारिता बन्धु'' पुरस्कार पंजाब राज्य के श्री केवल कृष्ण शर्मा को प्रदान किया जा रहा है।

इफको सहकारिता रत्न पुरस्कार 2013–14 श्री रवीन्द्र प्रताप सिंह–जीवन परिचय

वर्ष 2013–14 का इफको सहकारिता रत्न पुरस्कार प्राप्त करने वाले श्री रवीन्द्र प्रताप सिंह छत्तीसगढ़ राज्य के एक प्रमुख सहकारी बंधु हैं।

मध्यप्रदेश के सिंध जिले में बिछारी गांव में जन्में श्री सिंह ने कला में मास्टर डिग्री सहित एलएलबी की डिग्री हासिल की। सम्पन्न परिवार में पैदा होने के बावजूद अपने कृषि उत्पादों की बिक्री करते समय किसानों को होनेवाली कठिनाई को देखकर वे द्रवित हो उठे। उन्होंने पाया कि सही जानकारी के अभाव में तथा बिचौलियों की उपस्थिति के कारण किसान परेशानी उठाते हैं। अपने युवा काल में ही उन्होंने किसानों को बिचौलियों के हाथों से छुटकारा दिलाने का निश्चय कर लिया ।

उन्होंने दूर–दराज और आदिवासी क्षेत्र के सुविधा–वंचित लोगों को इकट्ठा किया तथा उनके अंदर सहकारी भावना पैदा की और उनके उत्थान के लिए अनेक सहकारी समितियों का गठन किया। श्री सिंह ने अनेक सहकारी संस्थाओं को सहयोग और समर्थन दिया। विभिन्न पदों पर रहते हुए उन्होंने सहकारी समितियों की सेवा की तथा सहकारी समितियों में सुधार के कार्य किये।

सहकारी समितियों के साथ कार्य करते हुए उन्होंने प्राथमिक सहकारी समितियों के माध्यम से अनेक योजनाएं आरंभ की। प्राथमिक स्तर पर स्थापित ''महामाया मल्टीपरपज कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड'' ग्राससरूट स्तर की सहकारी समिति का एक शानदार उदाहरण है। तत्पश्चात उन्होंने प्राथमिक, जिला तथा राज्य स्तर की अनेक सहकारी समितियों जैसे बैंकिंग, कंज्यूमर कोआपरेटिव एवं मल्टीपरपज कोआपरेटिव का गठन किया तथा उनके निदेशक मंडल में प्रतिनिधित्व किया। वे महामाया मल्टीपरपज कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, सरगूजा एंड सीतापुर मार्केटिंग कोआपरेटिव सोसाइटी, डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव कन्ज्यूमर स्टोर, सरगूजा, डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव यूनियन, सरगूजा के संस्थापक अध्यक्ष रहे हैं। श्री सिंह स्टेट कोआपरेटिव मार्केटिंग फैडरेशन, भोपाल के निदेशक मंडल में 17 वर्षों तक सदस्य रहे। वे दो बार इफको के उपाध्यक्ष निर्वाचित हो चुके हैं तथा पिछले तीन दशकों में अनेक बार इफको के निदेशक मंडल में निदेशक रह चुके हैं।

इस समय वे इफको छत्तीसगढ़ पावर लिमिटेड (आईसीपीएल), इफको किसान बाजार एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड (आईकेबीएलएल), इफको टोक्यो जनरल इंश्योरेंश कंपनी (इफको टोक्यो), सीआईसीएल, आईसीपीएल कोल लिमिटेड के निदेशक मंडल में निदेशक हैं। उन्होंने टापरकेला गांव, जिला सरगुजा में महिलाओं के 15 सैल्फ हैल्प ग्रुप बनाए हैं जो छोटे ठेकेदारों के रूप में मछली पालन के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त वे सामाजिक सुधार और विशेष रूप से गावों में नशामुक्ति के लिए प्रयासरत हैं।